दाह संस्कार पश्चात मृतको के अस्थिकलश रामनगर मुक्ति धाम में सुरक्षित

भिलाईनगर/ रामनगर मुक्तिधाम मे बरसो से रखे है अस्थियां विसर्जन के इंतजार मे अंतिम संस्कार हेतु मुक्तिधाम लाए गये शवो की अस्थि को ज्यादातर परिजन लेकर चले जाते है लेकिन कुछ मृतक के परिजनों ने अभी तक अस्थिकलश को नहीं ले गए है, जिन्हें रामनगर के मुक्तिधाम में सुरक्षित रखा गया है ,जिसके विधि विधान से विसर्जन करने शहर के सेवा समिति ने हाथ बढाया.है। रामनगर मुक्तिधाम में दाह संस्कार पश्चात मृतको के अस्थि कलश को विधिवत विसर्जन हेतु परिजन ले जाते है, कई परिजन कुछ दिन बाद आते है इसलिए अस्थि को मुक्तिधाम के लाकर में सुरक्षित रखा जाता है। बीते कुछ वर्षों में बहुत से मृतक के परिजन अस्थि को नहीं ले गए है जिसमें से कई अस्थि कलश वर्ष 2008 से पहले के भी है , कई मृतक के परिजन तो किसी के घर का भी पता दर्ज नहीं कराया गया है। इन मृतकों का अस्थिकलश सुरक्षित रखा गया है मृतक दुखी राम छावनी भिलाई, शोभाराज रानी, एम हनुमैया पिता एम डण्डासी क्वा. 5ए सड़क 12 सेक्टर 06, दिल्ली बिसाई पिता भीम संजय नगर सुपेला , निलांबर दलाई पिता लक्ष्मण दलाई शंकरपारा सुपेला , शिव कुमारी पति परमेश्वर , 49/9 नेहरू नगर पश्चिम , अजय यादव पिता धन्नाला यादव सपना टाॅकिज के पीछे खुर्सीपार, रंजीता बिसाई पति निरंजन कन्हाई केम्प 01 म.नं. 703, बिगुला देवी पति जमुना शाह अर्जुन नगर म. नं. 2144, राहुल शर्मा पिता विजय शर्मा म. नं. 19/ए एचएससीएल काॅलोनी रूआंबांधा, के.एस वेनु म नं. 21/ए सेक्टर 04, सुरेश अज्ञात, अमिताभ अज्ञात, अजय अग्रवाल टाटीबंध रायपुर म. नं. 936, हरि साहू पिता गुणो साहू म.नं. 2380, चंदी निषाद फरीद नगर भिलाई , रामकुमार साहू सुभाष नगर , मगरावा शंकर नगर छावनी , सोमनाथ सेक्टर 04, मिथिल ताण्डी, चंदन साव, खोगा बिसाई, यादव जी, सुनील मांझी के परिजन व घर का पता अज्ञात है जानकारी दर्ज नहीं है। निगम प्रशासन ने अपील किया है कि मुक्तिधाम मे रखे अस्थिकलश को मृतक के परिजन प्राप्त कर सकते है।